अभिभावक जागरूकता मापनी पूर्व परीक्षण प्रश्नावली

निर्देशिका
डॉ. आरती गुप्ता
(असिस्टेंट प्रोफेसर)

शोधकर्त्री
पूर्वा गौतम
(एम.एड. छात्रा)

उम्र व लिंग – ....
शैक्षणिक स्थिति:–..
बच्चों की संख्या व उम्र वर्ग :–..
पता:–..
मोबाइल नम्बर:–..
परीक्षार्थी (अभिभावक)का नाम:– ________________________
आय वर्ग :– ....

निर्देश:–

प्रस्तुत प्रश्नावली आपको ध्यानपूर्वक पढ़नी है तथा उसके पश्चात् जो आपको उचित लगे उस निष्पक्ष उत्तर का चयन करके उस पर सही का चिन्ह (✓) लगाना है। आप प्रश्नों को पढ़कर आराम से उत्तर दें, जल्दबाजी न करें। आप इस बात से पूर्ण रूप से निश्चित रहें, आपके द्वारा दी गई सम्पूर्ण जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी। इसका उद्देश्य मात्र अपने शोध कार्य हेतु प्रदत्त संकलन ळें

अ. प्रथम भाग –   अभिभावक बालक संबंध

क्र.सं.	कथन	पूर्णतया असहमत	असहमत	अनिश्चित	सहमत	पूर्णतया सहमत
1.	सभी अभिभावक अपने बच्चों से जुड़ाव महसूस करते है ?					
2.	बच्चों से सभी अभिभावकों को प्रतिदिन बात करनी चाहिए ?					
3.	सभी माता–पिता अपने बच्चों की भावनाओं को भली–भांति समझते है ?					
4.	सभी बच्चे अपने आपको अभिभावकों के साथ सहज महसूस करते है ?					
5.	सभी अभिभावक अपने बच्चों पर पूर्ण विश्वास करते है ?					
6.	अपने बच्चों की दैनिक गतिविधियों की जानकारी अधिकांशत: अभिभावकों को होती है ?					
7.	सभी अभिभावकों को अपने प्रति अपने बच्चों की राय जाननी चाहिए।					
8.	अकसर अभिभावक अपने बच्चों की सहायता व असहायता को भांप लेने में सक्षम होते है ?					
9.	अभिभावकों को अपने बच्चों के मित्र व साथियों की जानकारी होनी चाहिए ?					
10.	सभी अभिभावकों को अपने बच्चों की भावनाओं का आदर करना चाहिए ?					

Principal
Bhani Girls B.Ed College
Jaipur

ब. द्वितीय भाग–यौन शिक्षा

क्र.सं.	कथन	पूर्णतया असहमत	असहमत	अनिश्चित	सहमत	पूर्णतया सहमत
1.	अभिभावकों को अपने बच्चों को अच्छे व बुरे स्पर्श के प्रति जानकारी देनी चाहिए।					
2.	बच्चों से लैंगिक मुद्दों पर अभिभावकों को खुलकर बात करनी चाहिए।					
3.	बच्चों के साथ लैंगिक मुद्दों पर बात करना अभिभावकों के लिए मुश्किल होता है।					
4.	बच्चों को अभिभावकों द्वारा यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि वे अपने बच्चों की बात पर विश्वास करते है।					
5.	अभिभावक दुर्व्यवहार या असहज परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा युक्तियों के बारे में बच्चों को आसानी से समझाने की क्षमता रखते है।					
6.	बच्चों को अच्छे–बुरे स्पर्श के बारे में अभिभावकों द्वारा बताने की सहजता दोनों के भावनात्मक सम्बन्ध /जुड़ाव पर निर्भर करती है।					
7.	माताएँ बच्चों को अच्छे बुरे स्पर्श के बारे में समझाने में अधिक सक्षम होती है।					
8.	अभिभावकों द्वारा बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि उनके शरीर पर सर्वप्रथम हक उनका है तथा उन्हें जो स्पर्श उचित न लगे उसके प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई जानी चाहिए।					

स. तृतीय भाग– बाह्य वातावरण सम्बन्धी शिक्षा

क्र.सं.	कथन	पूर्णतया असहमत	असहमत	अनिश्चित	सहमत	पूर्णतया सहमत
1.	अभिभावकों के द्वारा बच्चों को विभिन्न बाहरी खतरों से अवगत कराना चाहिए।					
2.	बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि कोई भी जानकार या रिश्तेदार भी उनके साथ दुर्व्यवहार कर सकता है।					
3.	परिवारिक परिस्थितियाँ भी बच्चों को बाल योन शोषण का आसान शिकार बनाने हेतु उत्तरदायी है।					
4.	अभिभावकों को बच्चों की किसी भी व्यक्ति के साथ या समक्ष होने वाली असहजता को समझना चाहिए।					
5.	अजनबियों से व्यवहार करना बच्चों को अभिभावकों द्वारा सीखाया जाना चाहिए।					
6.	अभिभावकों द्वारा बच्चों को अन्जान खतरे से बचाने के लिए विशेष संकेत का निर्माण किया जाना चाहिए।					

Principal
Bhajni Girls B.Ed College
Jaipur

द. चतुर्थ भाग– बालक की देखभाल सम्बन्धी जानकारी

क्र.सं.	कथन	पूर्णतया असहमत	असहमत	अनिश्चित	सहमत	पूर्णतया सहमत
1.	बच्चों के लिए ट्यूशन टीचर/केयरटेकर रखने से पूर्व उसकी भली–भांति जाँच अधिकारियों द्वारा करना बहुत आवश्यक है।					
2.	केयरटेकर या ट्यूशन टीचर के व्यवहार का अवलोकन अभिभावकों द्वारा किया जाना चाहिए।					
3.	विशेष व्यक्ति या टीचर के प्रति बच्चों की राय जानने का प्रयास अभिभावकों को करना चाहिए।					
4.	अभिभावकों में बालकों के व्यवहार या शारीरिक लक्षणों को देखकर उनके साथ हुए गलत व्यवहार जानने की जागरूकता होनी चाहिए।					
5.	अभिभावकों द्वारा ध्यान देना चाहिए कि स्कूल में या ट्यूशन के आने के बाद बच्चे का व्यवहार कैसा रहता है।					
6.	अभिभावक को गौर करना चाहिए, यदि बच्चा गुमसुम लगता है, खाना नहीं खा रहा, खेल नहीं रहा या कोई अन्य लक्षण उसमें हो।					

य. पंचम भाग– बाल यौन, शोषण व दुर्व्यवहार सम्बन्धी समझ

क्र.सं.	कथन	पूर्णतया असहमत	असहमत	अनिश्चित	सहमत	पूर्णतया सहमत
1.	बाल यौन शोषण के बारे में खुलकर चर्चा होना अत्यन्त आवश्यक है।					
2.	अभिभावकों को बाल यौन शोषण के रोकथाम हेतु बने सभी कानूनों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।					
3.	विद्यालयों में बाल यौन शोषण की जानकारी दी जानी चाहिए।					
4.	अभिभावकों को विशेष रूप से बच्चों हेतु जारी चाइल्ड हेल्पलाइन की जानकारी बच्चों को देनी चाहिए।					
5.	बच्चों को बाल यौन शोषण के प्रति जागरूक करना अभिभावक का भी दायित्व होना चाहिए।					
6.	यदि बच्चा घर आकर अपनी समस्या बताया है या वह डरा हुआ हैं तो माता–पिता को उसकी तरफ ध्यान देना चाहिए।					
7.	यदि बच्चा कभी भी ऐसी किसी दुर्घटना का शिकार हो जाए तो अभिभावकों को अपराधी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए।					
8.	बाल यौन शोषण के बारे में बात करते हुए वातावरण को सहज बनाना अभिभावकों पर निर्भर होता है।					
9.	अधिकांशतः मामलों में अपराधी रिश्तेदार, पड़ौसी या मित्र ही होते है।					
10.	अभिभावकों द्वारा बच्चे को रिश्तेदार, मित्र, पड़ोसी के व्यवहार के					

Principal
Bhatni Girls B.Ed College
Jaipur

	प्रति सतर्क करना आवश्यक है।					
11.	बच्चों के बदलते व्यवहार के बारे में अभिभावकों को उसके पीछे के कारणों को पता लगाना चाहिए।					
12.	अभिभावकों को बाल यौन शोषण के प्रति जागरूक करने वाले कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए।					
13.	बाल यौन शोषण की जागरूकता को विद्यालयी पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिए।					
14.	विद्यालय में समय–समय पर अभिभावकों को बाल यौन शोषण के प्रति जागरूक करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए।					
15.	अभिभावक बच्चों को ऐसी गंभीर परिस्थितियों से निकालने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।					

Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

कैशलेस मापनी

निर्देशिका	शोधकर्त्री
डॉ० एकता पारीक	सुधा सैनी
प्राचार्या	एम.एड. छात्रा

विद्यार्थी का नाम : _____

कक्षा : _____

विद्यालय का नाम : _____

आयु : _____

निर्देश :

(1) इस मापनी में कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रति जागरूकता जानने के लिए कुछ प्रश्न दिये गये हैं। आप ध्यानपूर्वक प्रश्नों का पढ़िए तथा विचार क़ीजिए।

(2) प्रत्येक प्रश्न के सामने तीन विकल्प दिये गये हैं। उचित पर (√) और गलत पर (ग) का चिन्ह लगाइये।

(3) इस मापनी को पूरा करने के लिए 30 मिनट का समय दिया जायेगा।

(4) आपके द्वारा दी गई सूचनाएँ गुप्त रखी जायेंगी।

Principal
Bhuni Girls B.Ed College
Jaipur

बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज
विद्याद्यार नगर, जयपुर

क्र.सं.		हाँ	नहीं	पता नहीं
(1)	कैशलेस ट्रांजेक्शन में पैसों का लेन–देन नकद होता है।			
(2)	कैशलेस ट्रांजेक्शन के द्वारा भ्रष्ट्राचार को कम किया जा सकता है।			
(3)	कैशलेस ट्रांजेक्शन में देशवासियों की सोच सकारात्मक होनी चाहिए।			
(4)	कैशलेस ट्रांजेक्शन के माध्यम से जाली नोटों के प्रचलन को रोका जा सकता है।			
(5)	कैशलेस ट्रांजेक्शन प्रणाली को देश में लागू किया जाना चाहिए।			
(6)	कैशलेस ट्रांजेक्शन के लिये मोबाइल स्मार्ट फोन की आवश्यकता होती है।			
(7)	कैशलेस ट्रांजेक्शन में पैसे लेने वाले और देने वाले को छुपाया जाता है।			
(8)	कैशलेस ट्रांजेक्शन प्रणाली को काम में लेने के लिए इंटरनेट की आवश्यकता होती है।			

Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

(9)	कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–पेंमेंट में कागज की जरूरत होती है।			
(10)	ई–वॉलेट व मोबाइल वॉलेट कैशलेस ट्रांजेक्शन के माध्यम है।			
(11)	मोबाइल वॉलेट एक बैंक है।			
(12)	ई–वॉलेट/मोबाइल बैंक से हम खरीददारी और बिल का भुगतान कर सकते हैं।			
(13)	कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा नोटबन्दी के बाद ही मिला है।			
(14)	कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए नए सॉफ्टवेयर और मोबाइल एप्स लॉन्च हो रहे हैं।			
(15)	कैशलेस ट्रांजेक्शन प्रणाली को काम में लेने के लिए बैंक में जाना पड़ता है।			
(16)	कैशलेस ट्रांजेक्शन प्रणाली को स्वीडन में उपयोग में लाया जाता है?			
(17)	डिजिटल इंडिया भारत सरकार की एक पहल है जिसके तहत सरकारी विभागों को देश की जनता से जोड़ा जाता है।			
(18)	कैशलेस ट्रांजेक्शन के माध्यम से समय की बचत होती है।			

Principal
Biyani Girls B.Ed. College
Jaipur

(19)	बिना नकद के क्या हम एक देश से दूसरे देश में पैसे भेज सकते हैं।			
(20)	आपकों ऑन लाइन cashless transaction करने पर ओटीपी नम्बर मोबाइल पर message के रूप में प्राप्त होता है।			
(21)	कैशलेस में पैसों को ई–मनी के नाम से जाना जाता है।			
(22)	ऑनलाईन पैसे ट्रांसफर करने के लिए IFSC कोड की आवश्यकता होती है।			
(23)	OTP (ओटीपी) का पूरा नाम वन टाइम पासवर्ड है।			
(24)	आपको फोन पर ई–मेल के माध्यम से बैंक अकाउंट से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करनी चाहिए।			
(25)	आपको ऑन लाइन खरीददारी करने के लिए ई–वॉलेट में पैसे होने है।			
(26)	आप cashless transaction से मनी को घर बैठे हस्तान्तरित कर सकते है।			
(27)	ई–वॉलेट को डिजिटल बटुआ भी कहा जाता है।			
(28)	आप ई–वॉलेट को (डिजिटल) रूप में देख सकते हैं।			
(29)	आपको ई–वॉलेट के प्रकारों की जानकारी आवश्यक है।			

Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

(30)	आपको ई–वॉलेट के माध्यम से होने वाली लेन–देन की जानकारी प्राप्त होती है।			
(31)	आपको ई–वॉलेट के माध्यम से होने वाली Utility Bills, DTH Plan और Mobile Bill की जानकारी प्राप्त होती है।			
(32)	आप ई–वॉलेट के इस्तेमाल से कॉमर्स Websites से Online खरीददारी कर सकते हैं।			
(33)	आपको पेमेन्ट करते समय बार–बार ATM या Credit Card Details जैसे कि Card Number, CUV इत्यादि को देने की जरूरत है।			
(34)	आपको किसी कारणवश Transaction Fail हो जाने की स्थिति में पैसे वापस मिल सकते हैं।			
(35)	आपको अपने PIN नम्बर किसी के साथ शेयर करने चाहिए।			
(36)	आपको ई–वॉलेट को इस्तेमाल करने के लिए किसी भी प्रकार का Transaction Fee/Charges देना पड़ता है।			
(37)	ई–वॉलेट एक सॉफ्टवेयर है इसके द्वारा व्यक्ति इलेक्ट्रानिक तरीके से पैसे का लेन देन कर सकता है।			
(38)	आपको ई–वॉलेट डेबिट या क्रेडिट कार्ड के समान ही लगता है।			

Principal
Bhumi Girls B.Ed College
Jaipur

(39)	आपका फोन चारी हो गया है या गुम हो गया है, तो आपके ई–वॉलेट का दुरूपयोग किया जा सकता है।			
(40)	खराब नेटवर्क कनेक्टिविटी भुगतान की प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है।			
(41)	आपको ई–वॉलेट को काम में लेने के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है ।			
(42)	आपको BHIM एप का उपयोग करने के लिए मोबाइल बैंकिंग ।बजपअम करना पड़ता है ।			
(43)	आपको BHIM एप की जानकारी हिन्दी/अंग्रेजी भाषा में है।			
(44)	ठभ्ड एप का पूरा नाम भारत इंटरफेस फॉर मनी है।			
(45)	BHIM एप में एक बार अपने बैंक अकाउन्ट को रजिस्टर करना पड़ता है तथा एक UPI कोड Generate करना पड़ता है।			
(46)	आपको तेज APP में बैंक अकाउन्ट नम्बर IFSC कोड या फिर रजिस्ट्रेशन की जरूरत है।			
(47)	आपके मित्र ने पैसा आपको नहीं लौटाया तो आप बिना उसे बोले तेज एप के जरिये पैसे की डिमाण्ड कर सकते हैं।			
(48)	QR कोड का इस्तेमाल पेमेन्ट करने में होता है।			

Principal
Bhumi Girls B.Ed College
Jaipur

(49)	BHIM एप को (NPCI) National Payments Corporation of India ने विकसित किया है।			
(50)	सभी Bank को BHIM APP सपोर्ट करता है।			
(51)	BHIM एप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लॉन्च किया है।			
(52)	तेज फॉर बिजनेस इसका उपयोग व्यापारी वर्ग करते हैं।			
(53)	PAYTM, TEZ, BHIM, Recharge, Voda Money आदि कैशलेस ट्रांजेक्शन के ही प्रकार हैं।			
(54)	डिजिटल APP का प्रयोग वर्तमान में उपयोगी साबित हो रहा है।			
(55)	आपको विभिन्न प्रकार के APP के फायदों व नुकसान के बारे में जानकारी है।			

Principal
Bijoni Girls B.Ed College
Jaipur